हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 15 अप्रैल 2025

11 अम्बेडकर की शिक्षाएं आज भी प्रचलितः डा. रिंपी

12 करोड़ों खर्च के बाद भी पानी के लिए तरस रहा है शहर...

## खबर संक्षेप

### आगजनी घटनाओं को लेकर किया जागरूक

**कनीना।** हरियाणा अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं की ओर से सोमवार से सेवा सुरक्षा सप्ताह की शुरूआत की गई है। 20 अप्रैल तक मनाए जाने वाले इस सप्ताह के अंतर्गत आमजन को आगजनी व सड़क दुर्घटनाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा। अग्निशमन केंद्र में कार्यरत नरेश मान ने बताया कि क्षेत्र में इस समय रबी फसल कटाई का कार्य जोरों से चल रहा है। इस दौरान उनके पास दिनरात करीब 10 कॉल आगजनी व तीन से चार कॉल एक्सीडेंट की प्राप्त होती हैं। कॉल रिसीव होते ही वे घटनास्थल के लिए रवाना हो जाते हैं। लिहाजा आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आमजन को जागरूक करने की बात कही।

### मारपीट मामले में आरोपित काबू

**नारनौल।** आपसी रंजिश को लेकर लाठी डंडों से चोट मारने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना नांगल चौधरी पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान लोकेश वासी सिरोही बहाली के रूप में हुई। आरोपित हिस्ट्रीशीटर है और वारदात के बाद से फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ में वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी बरामद कर जब्त की है। आरोपित को न्यायालय में पेश किया गया।

### टैंट हाउस की दुकान से कीमती सामान चोरी

**कनीना।** गांव धनौंदा के बस स्टैंड पर एक टैंट हाउस की दुकान की से बीती रात्रि अज्ञात चोर कीमती सामान चोरी कर ले गए। इस बारे में पृथ्वी सिंह राजपूत ने बताया कि उन्होंने बस स्टैंड पर धनखड़ टैंट हाउस के नाम से दुकान कर रखी है। जिसमें से 13 अप्रैल रात्रि अज्ञात चोर पानी की मोटर, बिजली की केबल, सिल्वर के टब आदि चोरी कर ले गए। पृथ्वी सिंह की शिकायत पर सिटी थाना पुलिस ने मौका मुआयना कर अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

**नारनौल।** रोडवेज की बसें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हिसार भेजने के कारण बस स्टैंड पर दोपहर दो बजे खड़ी एकमात्र प्राइवेट बस व दिल्ली वाले बूथ पर खचाखच भरी सवारियां। *फोटोः हरिभूमि*

### नारनौल डिपो से हिसार भेजी गई 37 बसें

# रोडवेज बसें हिसार रैली में जाने से यात्री परेशान, बसों के लिए करते रहे इंतजार

#### रोडवेज अधिकारी बोले बसें घटने पर बचे बसों के बढ़ा दिए फेरे

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा रोडवेज की बसें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम में हिसार भेजने के कारण लोकल सवारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा है। तपती दोपहर में यात्रियों को बसों के अभाव में बस स्टैंड के अंदर एवं बाहर खड़े होकर साधनों का इंतजार करना पड़ा, लेकिन समय पर साधन नहीं मिले। बता दें कि डा. अंबेडकर जयंती के दिन देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हरियाणा के हिसार एवं यमुनानगर में दो जगहों पर अलग-अलग बड़े आयोजन किए गए थे। इन आयोजनों में प्रदेशवासियों की भागेदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा हरियाणा रोडवेज की बसों की गांवों में ड्यूटी लगाई थी।

नारनौल डिपो से पहले 44 बसों को हिसार भेजना निर्धारित किया गया था, लेकिन बाद में एक बस और बढ़ा दी गई। हिसार भेजी जाने वाली बसों को कल 13 अप्रैल की शाम को ही विभिन्न रूटों से हटा लिया गया था और उन्हें गांवों में भेजना शुरू कर दिया गया था। यह सिलसिला रात तक चलता रहा तथा रोडवेज के अधिकारी एवं कर्मचारी इस कार्य में रात को भी लगे रहे। कई बसों को जहां पहले गांव निर्धारित था, वहां से हटाकर दूसरे गांवों में भेजा गया। इस कारण रोडवेज के अधिकारी ही नहीं, ड्राइवर एवं कंडेक्टर भी परेशान रहे।

**नारनौल।** स्टैंड पर बसों के इंतजार में खड़ी सवारियां। बस स्टैंड के बाहर रेवाड़ी-दिल्ली की बसों का इंतजार करती सवारी। *फोटोः हरिभूमि*

#### प्राइवेट वाहनों की रही चांदी

रोडवेज की बसें हिसार जाने के कारण सवेरे से ही बस स्टैंड के इर्द गिर्द प्राइवेट वाहनों की चांदी रही। प्राइवेट बसों के साथ-साथ अन्य निजी वाहनों ने चांदी कूटी। कार, कैब, फोर बाई फोर जैसे निजी वाहन चालक सवारियां बैठाते नजर आए।

#### यह कहते हैं अधिकारी

रोडवेज डिपो नारनौल के डीआई नरेश कुमार शर्मा ने बताया कि रोडवेज की 45 बसें हिसार भेजी जानी थी, लेकिन सवारी नहीं मिलने के कारण कुछ बसों की कम सवारियों को दूसरी बसों में मर्ज कर दिया गया। इस कारण केवल 37 बसें ही हिसार गई हैं। इन बसों की कमी, जो बसें रह गई थी, उनके फेरे बढ़ाकर पूरी करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि यात्रियों को कुछ देरी के रूप में असुविधा हुई होगी, लेकिन उन्हें बसें जरूर उपलब्ध करवाई गई हैं।

#### कम सवारी के चलते 37 बसें ही गई

जिला महेंद्रगढ़ से यात्रियों को लेकर हिसार जाने के लिए जहां 45 बसों की ड्यूटी लगाई गई थी, वहीं सवेरे जब पर्याप्त सवारियां नहीं मिली तो कुछ बसों को रैली स्थल हिसार जाने से रोक लिया गया तथा उन बसों की सवारियों को दूसरी बसों में लोड कर दिया गया। इस प्रकार नारनौल डिपो से रैली स्थल को 45 बसों की तुलना में केवल 37 बसें ही हिसार भेजी गई।

#### बसों के रूट काटने से परेशानी

कहने को तो 14 अप्रैल डा. अंबेडकर जयंती के चलते छुट्टी थी और कम सवारियां आने की संभावना थी, लेकिन नारनौल बस स्टैंड पर सवारियों के लिए कोई बस मौजूद नहीं थी। इस कारण दोपहर को बस स्टैंड पर 150_200 सवारियां गर्मी के समय बस स्टैंड पर बैठी रही तथा बसों का इंतजार करती रही। दोपहर करीब दो बजे बस स्टैंड पर मात्र एक प्राइवेट बस बूथ पर लगी हुई थी और शेष सवारियां बस आने का इंतजार कर रही थी।

#### बस स्टैंड के भी रहा बुरा हाल

बसें नहीं आने से बस स्टैंड के अंदर ही नहीं, बाहर गेट पर भी बुरा हाल रहा। रेवाड़ी, गुरुग्राम व दिल्ली की तरफ जाने वाली सवारियां जहां बस स्टैंड के अंदर इंतजार कर रही थी, वहीं बस स्टैंड गेट पर भी अनेक सवारी धूप में खड़ी रही। उन्हें हरियाणा रोडवेज न सही तो राजस्थान रोडवेज ही सही लग रही थी। हालांकि राजस्थान से आने वाली बसों में उन्हें जगह लेने के लिए भीड़ का सामना करना पड़ा।

**नारनौल।** नई कचहरी मैदान में बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित करते अतिथिगण।

## समानता से जीने का हक अम्बेडकर ने दिलायाः सुभाष

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा अनुसूचित जाति/जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ की ओर से बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर का 134वां जिला स्तरीय जयंती समारोह पंचायती भवन के साथ नई कचहरी मैदान में बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम से आयोजित किया गया। समारोह में रेवाड़ी के जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष सामरिया मुख्यातिथि थे, जबकि अध्यक्षता पूर्व प्रधान एवं एसबीआई के पूर्व मुख्य प्रबंधक जयनारायण दुग्गल ने की। इस मौके पर अल्प बचत योजना के पूर्व उप निदेशक हरीसिंह बड़कोदिया, एसएचजीवी के वरिष्ठ प्रबंधक वेदप्रकाश चौधरी, बाबूलाल फांडन, एसबीआई के पूर्व वरिष्ठ प्रबंधक भीमसिंह सूंठवाल, पूर्व प्रधान एवं प्रवक्ता राजकुमार निंभल,रोशनी देवी, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी मानसिंह नूनीवाल, हरीसिंह एवं विनोद कुमार फार्मासिस्ट आदि विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

#### सिंबल ऑफ नॉलेज

मुख्यातिथि डीईओ सुभाष चंद सामरिया ने कहा कि बाबा साहेब ने एक साधारण दलित परिवार में जन्म लेकर ऐसी ऊंचाईयां स्थापित की कि उन्हें दुनियाभर के देशों में सिंबल ऑफ नॉलेज कहा गया है। दुनिया में उनकी कोई बराबरी नहीं कर सकता। उनका जन्म उस समय हुआ, जब देश का एक ऐसा दबा-कुचला, शोषित, वंचित एवं उपेक्षित ऐसा वर्ग भी था, जो अपने ही देशवासियों द्वारा किए गए भेदभाव के दंश को झेल रहा था।

#### शिक्षाओं को आगे बढ़ाएं

अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधान जयनारायण दुग्गल ने कहा कि बाबा साहेब की याद में हर साल संगठन द्वारा कार्यक्रम आयोजित करना बड़ा ही सराहनीय कार्य है। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा मिलती रहेगी। उन्होंने लोगों से बाबा साहेब की शिक्षाओं को आगे बढ़ाने एवं उन पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में पूर्व डीजीएम महेंद्र सिंह खन्ना ने आरक्षण खत्म करने के लिए रचे जा रहे षड्यंत्रों से लोगों को अवगत कराया।

## प्रदेशस्तरीय पावर लिफ्टिंग में 8 पदकों पर कब्जा

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

राज्य स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता फरीदाबाद के सेक्टर 34 में स्थित कम्यूनिटी सेंटर में 11 से 13 अप्रैल के बीच संपन्न हुई। इस प्रतियोगिता में तीन वर्ग सब जूनियर, जूनियर व सीनियर वर्ग रहे। इसमें महेंद्रगढ़ जिला के सात खिलाड़ियों ने आठ मेडल जीते है। इस संबंध में जिला महेंद्रगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के महासचिव संजय कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रत्येक जिले के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। महेंद्रगढ़ के 16 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें सात खिलाड़ियों ने आठ मेडल पर कब्जा किया। इनमें सतनाली क्षेत्र के गांव जुड़वा की हिमांशु पुत्री कर्मवीर ने 63 भारवर्ग में महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। श्यामपुरा सतनाली की अंकिता पुत्री हुकुम सिंह शेखावत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं 84 किलो भारवर्ग में मनीषा पुत्री कर्मवीर जड़वा ने महिला वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त। पुरुष वर्ग में नारनौल के हिमांशु पुत्र राजकुमार ने 66 किलोग्राम भारवर्ग जूनियर में प्रथम एवं तृतीय स्थान, विश्वजीत पुत्र रामेर सिहोर ने 74 किलोग्राम बार-बार में जूनियर में दूसरा स्थान हासिल किया। 93 किलोग्राम भारवर्ग में कुलदीप यादव पुत्र अजय सिंह सुराणा ने सीनियर में तीसरा स्थान प्राप्त किया। 105 किलोग्राम भार वर्ग में अमन पुत्र अनूप सिंह मोहम्मदपुर ने जूनियर में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मेडल के साथ जिला के खिलाड़ी।

## हृदयगति रुकने से सीआरपीएफ जवान शहीद

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

गांव गोद का रहने वाला सीआरपीएफ का एक जवान श्रीनगर में ड्यूटी के दौरान हृदयगति रुकने से शहीद हो गया। पूरे सम्मान के साथ शहीद का अंतिम संस्कार पैतृक गांव गोद में किया गया। शहीद के पुत्र ने मुखाग्नि दी, जबकि साथ आई सीआरपीएफ की टुकड़ी ने उनको अंतिम सलामी दी। महावीर 25 बटालियन सीआरपीएफ श्रीनगर में तैनात थे। रविवार को सुबह हृदयगति रुकने की वजह से निधन हो गया। वे करीब 45 साल के थे तथा 2004 में सीआरपीएफ में भर्ती हुए थे। महावीर सिंह का पार्थिव शरीर आज उनके पैतृक गांव गोद में लाया गया। गांव में पहुंचने पर सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने देशभक्ति के नारों के साथ शहीद का सम्मान किया। अंतिम संस्कार में विधायक मंजू चौधरी, विनोद यादव, हरिओम यादव व गहली पुलिस चौकी प्रभारी संजय कुमार समेत सैकड़ों युवा व बुजुर्ग मौजूद रहे। शहीद महावीर के तीन बच्चे हैं, जिनमें बेटा पारस (13), बेटी संजना स्नातक प्रथम वर्ष, बेटी तमन्ना बारहवीं में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

**नारनौल।** गांव गोद में शहीद के बेटे को तिरंगा भेंट करते सीआरपीएफ के अधिकारी।

## हरिभूमि के महेंद्रगढ़ विज्ञापन प्रभारी के ताऊ का निधन

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र के जिला विज्ञापन प्रभारी सोहनलाल के ताऊ एवं साइंस मार्केट एसोसिएशन जवाहर नगर दिल्ली के पूर्व प्रधान कन्हैया लाल का स्वर्गवास हो गया। उनका अंतिम संस्कार शहर के मोहल्ला ढाणी में किया गया। इस संबंध में सोहनलाल टैनी ने बताया कि ताऊ कन्हैयालाल लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनकी उम्र लगभग 86 वर्ष थी। उनको मुखाग्नि उनके पुत्र राजकुमार व सुखदेव ने दी। इस मौके पर सेन समाज के प्रधान सुंदरलाल असोदिया, अनिल कौशिक, शिवकुमार, प्रमोद तिवारी, अशोक जांगड़ा, पतराम यादव, घीसाराम सैनी, मदनलाल, हरिराम सैन, किशोरीलाल फौजी, अंकित सैन, रमेश भाटी, मनोज कुमार, महेश कुमार, राधेश्याम व अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि दी।

स्व. कन्हैया लाल।

- लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे
- पुत्र राजकुमार व सुखदेव ने दी मुखाग्नि

### सैनी सभा में मनाई अंबेडकर की जयंती

**नारनौल।** बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती का आयोजन सैनी सभा में में किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और डा. अंबेडकर के विचारों व संघर्षों को याद करते हुए उन्हें नमन किया। कार्यक्रम की शुरूआत डा. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पण के साथ हुई।

इस अवसर पर सभा के प्रधान बिशन कुमार सैनी ने कहा कि डा. अंबेडकर न केवल संविधान निर्माता थे, बल्कि उन्होंने देश के शोषित, वंचित और पिछड़े वर्गों को न्याय तथा अधिकारों की लड़ाई के लिए आवाज दी। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा, समानता व आत्म सम्मान का प्रतीक है।

### स्टेट वेयर हाउस की डीएम रेखा बोलीं कार्ड की प्रति पर होगी खरीद

## मंडी में मौजूद किसानों की खरीदी जाएगी सरसों

हरिभूमि न्यूज ⏭कनीना

नई मंडी चेलावास में तीन दिन के अवकाश के बाद सोमवार से सरसों की खरीद शुरू हुई। दोपहर होने तक 225 किसानों 2110 क्विंटल सरसों मंडी में पहुंच चुकी थी। सोमवार से व्यापारियों द्वारा ओपन खरीद शुरू की गई है। खरीद कार्य में धांधली बरते जाने के आरोपों को लेकर स्टेट वेयर हाउस की डीएम रेखा सिंह ने किसानों की उपस्थिति में आधार कार्ड प्रति लेकर सरसों की खरीद करने को कहा। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऐसा किया जाना जरूरी है। जिस पर व्यापारियों ने किसानों को मंडी में सरसों डालने के बाद न ठहरने का तर्क दिया। वहीं मार्केट कमेटी की ओर से उन्हें लिखित में आदेश जारी करने को कहा। डीएम रेखा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसान मौके पर हाजिर रहेगा, तो ही उसकी सरसों खरीदी जाएगी। इसके लिए खरीद कार्य दोपहर की बजाय सुबह नौ बजे से ही शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर स्टेट वेयर हाउस की प्रबंधक सीमा सिंह, पटवारी अनूप सुहाग, मंडी सुपरवाइजर सतीश कुमार, ओआर वीरेंद्र सिंह, मनीष गुप्ता, राधेश्याम शर्मा, नरेंद्र कुमार, हनुमान सिंह, बंटी आदि मौजूद थे।

**कनीना।** उठान के बारे में जानकारी लेते डीसी डा. विवेक भारती। *फोटोः हरिभूमि*

#### डीसी ने उठान कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

**नारनौल।** रबी सीजन की फसल की चल रही सरकारी खरीद को लेकर उपायुक्त डा. विवेक भारती ने सोमवार को जिला की विभिन्न मंडियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने डीएम वेयरहाउस व डीएम हैफेड को उठान कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने किसानों तथा आढ़तियों के साथ भी बातचीत की। डीसी ने बताया कि सभी मंडियों में सरकार के निर्देश अनुसार गोदाम में सरसों पहुंचने के बाद 72 घंटे के अंदर अंदर किसानों के खाते में उसकी फसल की रकम भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिले की सभी मंडियों में पेयजल, शौचालय तथा बिजली आदि की उचित व्यवस्था है।

यह कितनी बड़ी विडंबना है, हर क्षेत्र में अपनी मेधा शक्ति का लोहा मनवाती महिलाओं को इस आधुनिक युग में भी अपनी त्वचा के रंग को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां सुननी पड़ती हैं। उनके सम्मान पर आघात पहुंचाया जाता है। केरल की चीफ सेक्रेटरी शारदा मुरलीधरन के रंग पर की गई टिप्पणी, इस बात का ताजा उदाहरण है। सवाल यह है, रंगभेद का दंश स्त्रियां कब तक सहती रहेंगी, समाज इस संकीर्ण सोच से कैसे उबरेगा?

शारदा मुरलीधरन पर टिप्पणी

# आज भी रंगभेद का दंश सह रही हैं स्त्रियां

कवर स्टोरी

डॉ. मोनिका शर्मा

इसे दुराग्रह कहें या दिशाहीन पुरातनपंथी सोच, गोरे-काले रंग को लेकर आज भी दुर्भावना भरी टिप्पणियां सुनने को मिल जाती हैं। सामाजिक और पारिवारिक परिवेश में बहू-बेटियों का सांवलेपन को खूबसूरती की कमी और गोरे रंग को सुंदरता से जोड़कर देखा जाना आम बात है। दुखद है कि पढ़ी-लिखी कामयाब महिलाएं भी स्किन कलर को लेकर कहे गए द्वेषपूर्ण-नकारात्मक शब्दों का सामना करती हैं। हाल ही में केरल की चीफ सेक्रेटरी शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पोस्ट पर रंगभेद पर अपनी बात शेयर करते हुए लिखा कि एक अनजान व्यक्ति ने उनके दफ्तर में उनके रंग को लेकर टिप्पणी की। शारदा मुरलीधरन ने फेसबुक पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'मेरे कामों की तुलना हमेशा मेरे पति से की जाती रही है। लेकिन अब एक टिप्पणी ऐसी भी सुनने को मिली, जिसमें मेरे काम-काज की तुलना के साथ ही मेरे रंग पर भी तंज किया गया।' गौरतलब है कि शारदा ने अपने पति के रिटायर होने के बाद यह पद संभाला है। शारदा ने लिखा, 'मैंने पचास साल से भी ज्यादा के अरसे से रंग गोरा न होने से सुंदरता में कमी देखने की सोच का सामना किया है। लोगों में फेयर स्किन टोन का क्रेज देखा है।' सोशल मीडिया पोस्ट में शारदा ने न केवल अपने रंग को लेकर समाज की सोच पर सवाल उठाए बल्कि अपने कालेपन पर गर्व होने की बात भी कही। चर्चा, चिंता और चिंतन का विषय बना, संकीर्ण सोच को सामने रखता यह मामला बहुत से पहलुओं पर सोचने को विवश करता है, सार्थक विमर्श की भी मांग करता है।

## भेदभाव से जुड़ा पहलू



ध्यान देने वाली बात यह है कि सांवले रंग की वजह से भेदभाव का सामना करने के हालात, जेंडर डिसक्रिमिनेशन से भी जुड़े हैं। घर हो या दफ्तर, त्वचा के रंग की वजह दुर्भाव भरे शब्द आमतौर पर महिलाओं को ही सुनने को मिलते हैं। सांवली शक्ल के प्रति परायों में ही नहीं, अपनों में भी पूर्वाग्रह देखने को मिलता है। शादी-सगाई के समय तो बहुत हद तक स्किन कलर को लेकर कायम सोच स्पष्ट दिखती है। तकलीफदेह बात यह है कि काम-काजी संसार में भी कभी सराहना तो कभी बेहतर अवसर के रूप में गोरे चेहरों की ओर झुकाव दिख जाता है। जबकि यह भेदभाव सीधे-सीधे किसी स्त्री की योग्यता और क्षमता पर प्रश्न उठाने जैसा है। शारदा मुरलीधरन ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि उनकी परफॉर्मेंस की तुलना उनसे पहले उसी पोस्ट पर रहे व्यक्ति से की गई, जो उनके पति हैं और उनकी स्किन का कलर अलग है। लैंगिक पूर्वाग्रहों के चलते ही एक ऑफिसर के तौर पर उनकी परफॉर्मेंस पर बात कहने के बजाए, इस टिप्पणी में उनकी स्किन का रंग भी जुड़ गया। एक सफल-सशक्त स्त्री से जुड़ा यह मामला बताता है कि जेंडर डिसक्रिमिनेशन की जड़ें कितनी गहरी हैं।

## आत्मसम्मान को ठेस

रंगभेद पर की गई टिप्पणियां सिर्फ शब्द भर नहीं होते। ऐसी बातें स्त्रियों की गरिमा को ठेस पहुंचाती हैं। गोरी त्वचा को लेकर कायम मोह और मनुहार का भाव, बहुत-सी बहू-बेटियों को बेवजह कमतरी के भाव की ओर धकेलता है। घरेलू मोर्चे पर गुणों की अनदेखी, तो पेशेवर फ्रंट पर काम-काज के मूल्यांकन पर भी चेहरे की रंगत से जुड़ी सोच हावी रहती है। वहीं सामाजिक-पारिवारिक माहौल में तो सांवलेपन को महिला ही नहीं, उसके पूरे परिवार की कमजोरी की तरह देखा जाता है। पक्के रंग वाली बहू को लेकर सहानुभूति जताई जाती है तो बेटी का रंग गोरा न होने पर अच्छा घरबार न मिलने की चिंता। लोगों को सहज-सी लगने वाली इन बातों और बर्ताव का महिलाओं के मन पर गहरा असर होता है। बड़ी होती बेटियां तो बहुत असहज महसूस करती हैं। त्वचा का रंग स्कूल-कॉलेज तक में उन्हें एक अलग खांचे में खड़ा करता है। इसी मनःस्थिति की बात शारदा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में भी कही है कि 'जब मैं चार साल की थी तो मां से पूछा करती थी कि क्या वे मुझे अपनी कोख में दोबारा डाल सकती हैं और झक गोरा और सुंदर बनाकर निकाल सकती हैं?' असल में रंगभेद से जुड़ा बर्ताव इमोशनल-साइकोलॉजिकल फ्रंट पर भी हर आयुवर्ग की स्त्रियों को चोट पहुंचाता है। शिक्षा और आत्मनिर्भरता के बढ़ते आंकड़ों के बावजूद समाज के हर तबके में ही स्त्रियों का अपमान करने और उनके मन में अपराधबोध का भाव भरने का यह बर्ताव सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है।

## उपहास का विषय क्यों

विडंबना ही है कि सदा से ही प्रकृति से मिले रंग-रूप को भी उपहास और अभद्र टिप्पणियां करने का विषय बनाया गया। समय के साथ बदलाव भी इस मोर्चे पर सब कुछ नहीं बदल पाए हैं। असल में इस फ्रंट पर मानसिकता बदले बिना बदलाव आना मुश्किल है। पक्के-सांवले रंग को लेकर दयनीय समझने के बजाए किसी महिला की काबिलियत और अच्छे बर्ताव को महत्व देने की सोच जरूरी है। संपूर्ण व्यक्तित्व को आंकने का भाव आवश्यक है। मेहनत से अर्जित की गई योग्यता के प्रति सम्मान के भाव को पोसना जरूरी है। आखिर कब तक स्किन कलर से जुड़ी सोच स्त्रियों की असहजता का कारण बनी रहेगी? पक्के रंग के कारण अपमान और उपहास वाले शब्द कब तक जीना दूभर करते रहेंगे? कुछ समय पहले राजस्थान के झालावाड़ जिले में शादी के बाद से ही पति द्वारा रंग को लेकर तंज करने और फब्तियां कसने के चलते पत्नी ने सुसाइड कर ली थी। समझना जरूरी है कि ऐसी घटनाओं के पीछे पीड़ा और तानों-उलाहनों की लंबी फेहरिस्त है। ऐसे में समग्र समाज की मानसिकता में बदलाव आए बिना यह भेदभाव नहीं रुक सकता। सांवली बेटी को लेकर सहजता तभी आएगी, जब सांवली बहू को स्वीकार करने में असहजता नहीं रहेगी।

### बाजार ने भी दिया बढ़ावा

असल में रंगभेद की सोच सोशल सिस्टम में तो थी ही, इसे बाजार ने भी बढ़ावा दिया है। कितने ही प्रोडक्ट्स के विज्ञापन चेहरे को गोरा बनाकर सबको लुभाने, हर ओर छा जाने का भाव दिखाते रहे हैं। अफसोस कि खूबसूरत दिखने के लिए गोरे रंग को जरूरी बताने वाली मानसिकता की यह लड़ाई आज तक जारी है। चेहरे को निखारने से शुरू हुए उत्पादों का बाजार अब गोरा बनाने वाले प्रोडक्ट्स तक जा पहुंचा है। शादी-ब्याह से लेकर नौकरी पाने तक और आत्मविश्वासी दिखने से लेकर आत्मनिर्भर बनने तक। गोरा बनाने वाले अनगिनत उत्पादों के विज्ञापनों में बताया-समझाया जा रहा है कि गोरा रंग लगभग हर समस्या का हल है। अब रील्स वीडियोज में गोरा बनने के गुर बताकर लाखों व्यूज बटोरे जा रहे हैं। रंग निखारने का वादा और दावा करने वाले वीडियोज से सोशल मीडिया अटा पड़ा है। ऐसे में जरूरी है कि स्त्रियों में अपने-अपने रंग-रूप के प्रति स्वीकार्यता का भाव हो। परिवेश के तानों-उलाहनों की आत्मविश्वास के साथ अनदेखी करने और बाजार का खेल समझने की सोच को बल मिले। साथ स्वजन ही नहीं, अपरिचित लोग भी अपना नजरिया बदलें। समग्र समाज की सोच में बदलाव आए बिना, भेदभाव पोषित करने वाली इस मानसिकता से नहीं निकला जा सकता है।

# शादी से पहले पार्टनर के साथ क्लीयर कर लें करियर से जुड़ी बातें

आज हर लड़की अपना करियर बनाना चाहती है। लेकिन शादी के बाद करियर में बहुत सी बाधाएं आती हैं, यहां तक कि कई बार करियर बनाने का इरादा छोड़ना पड़ता है। ऐसा न हो, इसलिए अपने भावी जीवनसाथी से शादी से पहले ही खुलकर बात कर लें।

एडवाइस

नम्रता नदीम

एमबीए कर चुकी नेहा की शादी एक संपन्न परिवार में हुई थी। शादी के बाद हंसी-खुशी कुछ माह बीत गए। नेहा का पति एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत था। नेहा को जब घर बैठे बोरियत होने लगी तो उसने जॉब्स के लिए इच्छा जताई और कई कंपनियों में अप्लाई कर दिया। ऐसा करना था कि पति नाराज रहने लगे। उन्हें यह पसंद नहीं था कि उनकी पत्नी जॉब करे। उनका कहना था, जब वह अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं, वह और उनका परिवार इस कमाई से संतुष्ट है तो नेहा कमाने के लिए घर से बाहर क्यों निकले? घर में इस बात पर दोनों में तकरार होने लगी। एक दिन ऐसा भी आया, जब नेहा को भी एक बड़ी मल्टीनेशनल कंपनी में बहुत अच्छी सैलरी पर जॉब मिल गई। पति ने इस बात का कड़ा विरोध किया। अंततः नेहा ससुराल से मायके आकर रहने लगी। इस तरह पत्नी के सपने पति पर भारी पड़े, दोनों के रिश्ते टूटने की कगार पर पहुंच गए। इसलिए जरूरी है, जब भी कोई लड़की वैवाहिक बंधन में बंधने वाली हो तो उसे पहले ही मंगेतर से अपने करियर को लेकर बातें क्लीयर कर लेनी चाहिए।

**रिश्ते में बंधने से पहले:** अगर आप किसी रिश्ते में जुड़ने जा रही हैं तो पहले ही भावी जीवनसाथी से यह जान लें कि आपको लेकर उसकी क्या अपेक्षाएं हैं? आपके करियर को लेकर उसकी क्या सोच है? अगर आपका पार्टनर अपने सपनों की उड़ान तो बहुत ऊंची भरना चाहता है, लेकिन आपके करियर को कोई महत्व नहीं देना चाहता और आप हैं कि जीवन में बहुत आगे बढ़ना चाहती हैं, आत्मनिर्भर रहना चाहती हैं तो यह जान लें, उसके साथ वैवाहिक बंधन में बंधकर आपके सपने पूरे नहीं हो पाएंगे। कहने का आशय यह है, आप दोनों एक-दूसरे की महत्वाकांक्षाओं को कितना महत्व देंगे, इस बात की पुष्टि शादी से पहले ही कर लें। अगर आप जॉब करने की इच्छुक हैं तो पहले से ही भावी जीवनसाथी ही नहीं, उसके परिवार के सदस्यों से भी खुलकर बात कर लें। यदि आपको लगता है कि आगे जॉब करने की इजाजत नहीं होगी तो ऐसे रिश्ते को एक्सेप्ट करना सही नहीं होगा।

### हो बैटर अंडरस्टैंडिंग

अगर पति-पत्नी दोनों के बीच आपसी प्यार है, अच्छी अंडरस्टैंडिंग है तो दोनों ही एक-दूसरे के सपनों को महत्व देंगे। इन्हें पूरा होने में बाधक नहीं बनेंगे। एक-दूसरे की बेहतरी के लिए जो भी अच्छा हो सकता है, करेंगे। महत्वाकांक्षी पति-पत्नी को एक-दूसरे के सपनों की मंजिल पाने में मदद के लिए तैयार रहना चाहिए।

**स्वार्थी न बनें:** यह सच है कि हर किसी को अपने सपने पूरे करने का हक है, लेकिन इन्हें ऊपर रखते हुए अपने साथी की जरूरतों को नजरअंदाज करना भी सही नहीं है। अपना करियर जरूर संवारें, लेकिन ऐसा न हो कि आपके एंबीशन इतने ज्यादा हों कि आप और आपके पार्टनर के बीच कोई तालमेल न हो सके। अपने सपनों की उड़ान में आप उसके सपनों को पूरा करने में कितनी सहायक हो सकती हैं, इसके बारे में जरूर सोचें, क्योंकि करियर को लेकर दोनों के बीच तालमेल स्थापित होना जरूरी है।



हेयर केयर

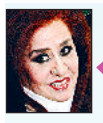

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

# उलझे बालों की समस्या दूर कर देंगे ये हेयर मास्क



किसी फंक्शन या पार्टी में जाने के लिए, आप अपने बालों में तरह-तरह के प्रोडक्ट्स और टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। इससे आपके बालों की लेयरिंग खराब हो जाती है। वो डल और बेजान दिखने लगते हैं। इस वजह से कई बारे बाल उलझ भी जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए आप हेयर मास्क का यूज कर सकती हैं, जो आपके बालों को मुलायम और सुलझा हुआ बना देंगे।

**नारियल दूध-शहद का मास्क:** बालों को उलझने से बचाने के लिए नारियल का दूध और शहद का मास्क बहुत यूजफुल है। इसे बालों पर लगा कर आधे घंटे के लिए छोड़ दें। बाद में सिर को ताजे सामान्य पानी से धो डालें। नारियल का दूध बालों की डीप हाइड्रेशन करता है, जबकि शहद बालों में नमी को बनाए रखता है, जिससे बाल मजबूत और मुलायम रहते हैं और आपस में उलझते नहीं हैं। इसे बनाने के लिए कांच के कटोरे में एक चम्मच नारियल तेल और एक चम्मच शहद का मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को गैस पर हल्की आंच पर तब तक गर्म करें, जब तक यह पूरी तरह पिघल न जाए। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तो इसमें एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। अब इस मिश्रण को गीले बालों पर लगा लीजिए। आप इसे ड्राई बालों पर भी लगा सकती हैं। ड्राई, फ्रीजी बालों पर अच्छी तरह लगाने के बाद बालों को कैप से ढंक लीजिए और 45 मिनट तक लगा रहने दीजिए। आप चाहें तो बालों का जूड़ा भी बना सकती हैं। 45 मिनट बाद बालों को शैंपू से धो लें।

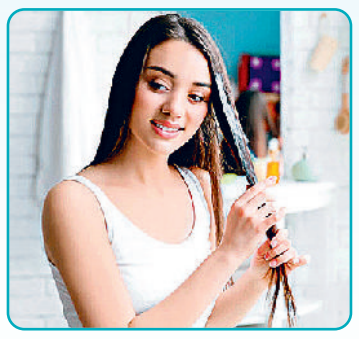

**एवोकाडो-नारियल तेल मास्क:** एवोकाडो और नारियल तेल का हेयर मास्क भी बालों को उलझने से बचाता है। इसे बनाने के लिए एक पके एवोकाडो को ग्लास बॉउल में मैश कर लें। इसमें दो-तीन बूंदें नारियल तेल डालकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को अपनी अंगुलियों के माध्यम से बालों और स्कैल्प पर धीरे-धीरे लगाएं। बाद में बालों को धो डालें। एवोकाडो बालों को नमी और पोषण प्रदान करता है।

**एवोकाडो-ऑलिव ऑयल मास्क:** एवोकाडो और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क बनाने के लिए एक एवोकाडो को अच्छी तरह मैश कर लें। इसमें 1/4 कप ऑलिव ऑयल और एक चम्मच नीबू का रस मिला लें। इसे शुष्क बालों पर जड़ों से ऊपर की ओर लगाएं और आधे घंटे बाद ताजे साफ पानी से धो डालें। नीबू में एंटीफंगल गुणों की वजह से बालों में यह पैक डेंड्रफ को कंट्रोल करता है। एवोकाडो से आपके बालों को भरपूर पोषण मिलता है और बाल आपस में उलझते भी नहीं हैं।

डाइट सजेशन

अंजू जैन

आमतौर पर होम मेकर्स अपनी हेल्थ-डाइट का ध्यान नहीं रखती हैं। हेल्दी, रहने के लिए उन्हें भरपूर न्यूट्रिएंट्स की जरूरत होती है। कैसी होनी चाहिए आपकी डाइट इस बारे में आपके लिए यूजफुल सजेशंस।

# होम मेकर्स के लिए परफेक्ट डाइट प्लान

अधिकतर महिलाएं हमेशा घर के दूसरे सदस्यों की जरूरतें पूरी करने में ही जुटी रहती हैं। अपने खान-पान पर जरूरी ध्यान नहीं देती हैं। उन्हें कोई अपना ध्यान रखने के लिए कह भी दे, तो उनका जवाब कुछ ऐसा होता है, 'अरे हमें कौन सी भाग-दौड़ करनी पड़ती है, दिन भर घर में ही तो रहना है। कुछ भी खा लेंगे, कभी भी खा लेंगे।' लेकिन ऐसी सोच हेल्थ के लिए सही नहीं होती है।

**नॉन स्टॉप काम:** आमतौर पर होम मेकर्स को पुरुषों से भी ज्यादा देर तक काम करना पड़ता है। पुरुष भले ही घर से बाहर 8-10 घंटे काम करते हों लेकिन होम मेकर्स को तो राउंड दी क्लॉक यानी 16 से 18 घंटे ऑन ड्यूटी रहना पड़ता है। वर्किंग पुरुषों को शनिवार, रविवार, त्योहारों पर अवकाश तो मिल जाता है, लेकिन होम मेकर्स को तो 365 दिन काम में लगे रहना पड़ता है। ऐसे में होम मेकर्स को अपनी डाइट का विशेष ध्यान रखना चाहिए। यह न सिर्फ आपकी हेल्थ के लिए जरूरी है बल्कि घर के दूसरे सदस्यों के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि आप फिट रहेंगी, तभी तो उनकी बेहतर देखभाल कर पाएंगी। इस लिहाज से घर के पुरुष सदस्यों को भी होम मेकर्स की डाइट के प्रति विशेष रूप से कॉन्शस रहना चाहिए।



**कैसी हो डाइट:** होम मेकर्स की डाइट कैसी हो, इस बारे में बता रहे हैं।

- 10-12 गिलास पानी हर रोज पिएं। सॉफ्ट ड्रिंक या मीठे शरबत के बजाए सादा पानी ही सर्वोत्तम होता है। ताजा फलों का रस और छाछ आदि पी सकती हैं। खाने से तुरंत पहले या तुरंत बाद ज्यादा पानी न पिएं। इसमें 30-45 मिनट का अंतर रखें। खाना खाते ही पानी पीने से पाचक रस का असर खत्म हो जाता है। पाचन में दिक्कत आती है।
- सुबह सवेरे कई तरह के काम रहते हैं, इसलिए शांति से बैठकर नाश्ता करने की फुरसत नहीं मिलती। ऐसे में भूखे पेट रहना ठीक नहीं। आपको कुछ ड्राई फ्रूट्स (जैसे भीगे हुए बादाम) खा लेने चाहिए। सेब, केला, अमरूद या चीकू भी सुबह के नाश्ते के लिए अच्छे विकल्प हैं।

- अंकुरित अनाज या भीगी हुई दाल से कुछ पौष्टिक आहार बना सकती हैं।
- घर में कुछ तरह की चटनियां आपको हमेशा रखनी चाहिए। स्वाद और सुविधा के मुताबिक आप नारियल, इमली, धनिया, पुदीना, करौंदा, कच्चे आम आदि की चटनियां बना सकती हैं। ये भोजन में रुचि जगा कर स्वाद तो बढ़ाती ही हैं, इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं।
- हर रोज सलाद जरूर खाएं। मौसम और उपलब्धता के अनुसार टमाटर, प्याज, खीरा, गाजर, चुकंदर, लेट्यूस आदि का सलाद बना सकती हैं। इनमें घुलनशील फाइबर, विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जो आपके लिए सेहतमंद होते हैं। साथ ही इनसे पेट जल्दी भरता है, इसलिए आप ज्यादा खाने से बच जाती हैं।
- प्रतिदिन वर्कआउट जरूर करें। मॉर्निंग या ईवनिंग वॉक, स्विमिंग, डांस, योगा, एरोबिक्स, कुछ न कुछ जरूर अपनाएं।
- बेकरी आइटम्स, ऑयली फूड्स से बचें।
- रात को हमेशा समय पर सोएं। कम से कम सात घंटे की नींद जरूर लें। दोपहर में भी थोड़ा-सा समय निकालकर 30-45 मिनट की झपकी जरूर लें।
- चोकरयुक्त आटे की रोटी खाएं, इससे पर्याप्त फाइबर मिलेगा।

**(डाइटीशियन-न्यूट्रीशनिस्ट निधि शुक्ला पांडेय और डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)**

आज अधिकांश कपल्स वर्किंग हैं, उनके सामने अपने बच्चों की परवरिश की समस्या रहती है। ऐसे में घर के बुजुर्ग बच्चों की परवरिश हंसी-खुशी कर रहे हैं। इन्हें ही नहीं, बच्चों को भी अपने दादा-दादी या नाना-नानी के साथ का सुख मिल रहा है।

# ग्रैंड पैरेंट्स के साए में बच्चे

परवरिश

नम्रता



बढ़ते एकल परिवारों की मजबूरी के चलते दादा-दादी, नाना-नानी कहीं पीछे ही छूट गए हैं। लेकिन अब पति-पत्नी दोनों के काम-काजी होने के कारण दिनभर उनकी अनुपस्थिति में बच्चों के अकेलेपन को दूर करने और बेहतर परवरिश के लिए काम-काजी पति-पत्नी फिर से उन्हें दादा-दादी, नाना-नानी के साए में पालना सही समझते हैं। सिंगल पैरेंटिंग, तलाक के बाद एक पार्टनर का अलग होकर शादी करना, दोनों का अलग होकर फिर से शादी करना, करियर में व्यस्तता और भी इसी तरह के तमाम कारणों से कई परिवारों में दादा-दादी और नाना-नानी बच्चों के लालन-पालन की जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

**एंज्वॉय करते हुए बच्चों की परवरिश:** वंशिका पति से अलगाव के बाद अपने मायके में रहने के लिए आ गई। कोर्ट में तलाक का मुकदमा चल रहा है। वंशिका स्वयं वर्किंग है। उसके पिता उच्च पदस्थ सरकारी कर्मचारी रहे हैं। रिटायरमेंट के बाद वह और उनकी पत्नी वंशिका की बेटी को पालने की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। 58 वर्षीय उनकी मां कहती हैं, 'मैं अपनी धेवती को लेकर शाम को जब पार्क जाती हूं तो मेरी ही तरह की और कई ऐसी महिलाएं हैं, जो गांव-कस्बे से अपने घर को छोड़कर अपने पोते-पोतियों की परवरिश कर रही हैं। उनके साथ हमारी गपशप होती है, हमने एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाया हुआ है। सुबह बच्चों को स्कूल भेजने के बाद हम लोग पार्क में आते हैं, तब तक बेटी और दामाद तैयार होकर दोपहर का खाना बनाकर ऑफिस चले जाते हैं। सुबह के समय ही हम घर से बाहर निकल पाते हैं। यहां हम लोगों से मिल-जुलकर खुश होते हैं। हमारी वॉक भी हो जाती है और हमें भी यह अहसास होता है, रिटायरमेंट के बाद हम खाली नहीं बैठे हैं। हमारा भी समय बच्ची के साथ हंसते-खेलते गुजर जाता है, बोरियत नहीं होती।'

**बच्चे सीख रहे हैं बहुत कुछ:** दादा-दादी, नाना-नानी की परवरिश में पलने वाले बच्चे अब उनके सान्निध्य में जिंदगी से जुड़े बहुत से खेल और काम सीखते हैं। उनको भी इनका साथ अच्छा लगता है। मुंबई में रह रही मिसेज अरोड़ा अपनी पोती को खाना बनाना सिखा रही हैं, सिलाई, बुनाई और कढ़ाई में पारंगत मिसेज अरोड़ा के ये पुराने शौक, जिन्हें उन्होंने अपने बच्चे पालने की व्यस्तता में बिसरा दिया था, अपनी पोती के बहाने उनके ये शौक फिर से नए रूप में सामने आ रहे हैं। मिसेज अरोड़ा कहती हैं, 'हमारे रिश्तेदार अकसर हमें इस बात का ताना देते हैं कि हमारी बहू अपने बच्चे की परवरिश के लिए हमें अपने शहर से दूर मुंबई ले गए हैं। लेकिन हम ऐसा नहीं मानते। हम पति-पत्नी को यह लगता है कि हम कोई उन पर एहसान नहीं कर रहे। न इसके लिए हम अपनी सेहत की कुर्बानी दे रहे हैं बल्कि बच्चों के साथ हमारा समय कैसे कट जाता है, हमें पता ही नहीं चलता। हमें इससे असीम सुख की अनुभूति होती है।'

**बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच:** मजबूरीवश ही सही सोशल मीडिया के इस दौर में आज दादा-दादी, नाना-नानी जैसे रिश्ते, जो पिछले कुछ सालों से हाशिए पर चले गए थे, उनकी इस जनरेशन ने अब कीमत पहचानी है। हमारे बुजुर्ग, हमारे बच्चों के दादा-दादी या नाना-नानी उनके लिए जो कुछ भी कर रहे हैं, वह करना आसान नहीं है। बच्चों को क्रेच में छोड़ने या मेड के भरोसे रखना सही नहीं है। हमारे माता-पिता के साथ बच्चों का रक्त संबंध है, बच्चों को भी अच्छा लगता है और हमारे माता-पिता भी हमारे साथ रहते हैं। दादा-दादी, नाना-नानी हमारे परिवार का एक मजबूत आधार और बच्चों के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच हैं।

## खबर संक्षेप

### यादव सभा ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि

**महेंद्रगढ़।** यादव धर्मशाला में यादव सभा के प्रधान एडवोकेट अभय राम यादव की अध्यक्षता में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। एडवोकेट अभय राम यादव ने उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बाबा साहेब समता, न्याय के प्रतीक थे। इस अवसर पर बस्तीराम, मास्टर लक्ष्मी नारायण बालरोडिया, राव बलवंत सिंह बोहरा, सूबेदार संतोष यादव, रामबीर सिंह, राजेन्द्र सिंह, रामकला, रामरती, लाली व भतेरी आदि उपस्थित थे।

### आईटीआई में मनाई डा. बीआर अंबेडकर जयंती

**नारनौल।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में डा. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलित करके बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की फोटो पर समस्त गणमान्यों ने पुष्प अर्पित किए। प्रधानाचार्य विनोद कुमार खनगवाल ने बाबा साहेब के बताए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर सुरेश चौधरी, मेजर वीरेन्द्र सेकवाल, नीरज यादव, शक्ति सिंह, वर्ग अनुदेशक मनीषा यादव, राजेश, गुरदयाल, जगदीश, अमित, अनुदेशक मनोज कुमार, मुकेश, पवन यादव, राजीव, मनीषा, निधि, रितु, कुलदीप, आकाश मौजूद थे।

### डा. अम्बेडकर को पुष्प अर्पित करने उपरांत बोलीं नपा चेयरपर्सन

# अम्बेडकर की शिक्षाएं आज भी पूरी तरह से प्रासंगिकः डा. रिंपी

समाज में समानता लाने के लिए संघर्ष किया। उन्हीं की बदौलत देश के प्रत्येक नागरिक को अधिकार व कर्तव्य का ज्ञान हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

डा. भीमराव अम्बेडकर द्वारा दी गई शिक्षाएं शिक्षित बनो, एकजुट रहो व संघर्ष करो आज भी समाज में प्रचलित हैं। ये विचार अम्बेडकर चौक पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने उपरांत नपा की चेयरपर्सन डा. रिंपी कुमारी ने व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता डा. भीमराव अम्बेडकर ने समाज में समानता लाने के लिए संघर्ष किया। उन्हीं की बदौलत देश के प्रत्येक नागरिक को अधिकार व कर्तव्य का ज्ञान हुआ। उन्होंने शिक्षा को आमजन की प्रगति का आधार बताते हुए उसे ग्रहण करने की अपील करते हुए कहा कि शिक्षा से उन्नति के द्वार खुलते हैं।

इस मौके पर पूर्व नपा प्रधान व पार्षद राजेंद्र सिंह लोढा, विक्की, दीपक चौधरी, नितेश गुप्ता, मनीष कुमार, राकेश कुमार, योगेश यादव, नरेंद्र सिंह, जयचंद गोठवाल, राजेंद्र नौताना, सज्जन, नीलम, अनिल, वेदप्रकाश उपस्थित थे।

नारनौल। मित्रपुरा में अंबेडकर जयंती मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

मंडी अटेली। नांगल में बीआर अंबेडकर जयंती मनाते हुए। फोटो : हरिभूमि

### मित्रपुरा की चौपाल में मनाई जयंती

**नारनौल।** भारत रत्न बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर की 134वीं जयंती गांव मित्रपुरा की अनुसूचित जाति की चौपाल में बड़ी धूमधाम से मनाई गई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एसबीआई के रिटायर्ड मैनेजर ज्ञानचंद बाघोतिया ने भाग लिया। अध्यक्षता समाजसेवी बाबूलाल महाशय ने की, जिसमें सरपंच मोनिका, पंच गणेश, नंबरदार अशोक कुमार, पूर्व सरपंच राजेंद्र कुमार, प्रधान बबलू, दिलबाग सिंह, जलवीर, अंशु बड़कोदिया, शिवम, दीपक, आकाश शर्मा, नवीन, मोतीलाल, प्रदीप, राजेश, हर्ष, समीर, रामनाथ, महावीर, रामप्रसाद, पूर्व सरपंच रामप्रसाद, मुकेश, मास्टर सचदेव, अभिषेक, रामानंद, अवीर, दर्श व शिव आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

### नांगल में भी याद किया गया

**मंडी अटेली।** डॉ. बीआर अंबेडकर सेवा समिति के तत्वावधान में नांगल में सरपंच भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में डॉ. आंबेडकर जयंती धूमधाम से मनाई गई। इस मौके पर शिक्षाविद डॉ. सीएस वर्मा प्रभाकर, सुरेंद्र बाबूजी व कृष्ण बाबूजी विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन मास्टर विकास सिंघानियां ने किया। कार्यक्रम में डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके योगदान को याद किया गया। डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सरपंच भूपेंद्र ने बताया कि डॉ. अंबेडकर एक महान नेता, समाज सुधारक और संविधान निर्माता थे। कार्यक्रम में मेधावी छात्रों सहित पर्यावरण प्रहरी प्यारेलाल गुजरवासिया को भी सम्मानित किया गया। इस मौके पर पर मास्टर देशराज, सज्जन सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

# अंबेडकर के आदर्शों से समानता संभवः कंवर

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव अंबेड़कर को नमन करते विधायक एवं अन्य।

- बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाकर ही हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते है: कंवर सिंह यादव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

अंबेडकर भवन में डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति के तत्वाधान में बाबा साहब की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। डॉ. ओमप्रकाश आर्य के कुशल नेतृत्व में समस्त कार्यकारिणी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव, विशिष्ट अतिथि सूबेदार मेजर पोहकरमल, रिटायर्ड चीफ मैनेजर प्रेम प्रसाद सिरोहा उपस्थित रहे। विधायक कंवर सिंह यादव ने अपने संबोधन में बाबा साहेब के जीवन और उनके योगदानों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के आदर्शों और मूल्यों को अपनाकर ही हम समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को बाबासाहेब के जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि बाबासाहेब के संघर्षपूर्ण जीवन और उपलब्धियों ने भारतीय सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य में उन्हें एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया। इस दौरान विधायक ने ई लाईब्रेरी के लिए 21 लाख रुपये की घोषणा की। इस मौके पर डा. बलजीत बंगालिया, वरिष्ठ अधिवक्ता रंजीत सिंह, सुरेश सिरोहा, इंस्पेक्टर रेवाला, रोशन लाल, पन्नी लाल, रिटायर्ड मैनेजर सहीराम, बादाम सिंह, विजयपाल महक, सतीश, मुकेश चौहान, सुजान मालड़ा, कृष्ण कुमार, पूर्व सरपंच कैलाश पालड़ी, हजरस जिला प्रधान विजेंद्र सिंह चौहान, प्रो. मुकेश चहल, मास्टर सतबीर, संतलाल खींची, जगदीश प्रसाद, जय भगवान ग्रेवाल, भूपसिंह,अशोक चौहान, रोहित सिरोहा आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। बाबा साहेब को नमन करते अकेड़मी के विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

### जीनियस एकेडमी में मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

**महेंद्रगढ़।** जीनियस एकेडमी के प्रांगण में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती मनाई गई। एकेडमी डायरेक्टर अमित यादव, सभी स्टॉफ सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। डायरेक्टर अमित यादव ने सभी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बाबा साहब के जीवन परिचय से सभी को अवगत करवाया तथा सभी विद्यार्थियों को उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने पर बल दिया। एकेडमी चेयरपर्सन सोनिका यादव ने भी भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद करते हुए कहा कि उनका विराट जीवन व विचार हमारी प्रेरणा का केंद्र हैं। इस अवसर पर सुनील कुमार, दिलेर सिंह, देवेंद्र, नरेंद्र, प्रदीप, ओमबीर, धमेंद्र, सोनू, राधिका, सुरेंद्र व पूनम आदि उपस्थित रहे।

### कबीर आश्रम में श्रद्धापूर्वक याद किए गए डा. अम्बेडकर

नारनौल। इंदिरा कॉलोनी में डा. अंबेडकर श्रद्धांजिल देते कबीर आश्रम के लोग। फोटो : हरिभूमि

**नारनौल।** इंदिरा कॉलोनी स्थित कबीर आश्रम व मंदिर सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में समस्त धानक समाज ने भारत रत्न डा. भीमराव अम्बेडकर को उनके 134वें पावन अवतरण दिवस पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। आयोजन में दारासिंह, सूबेदार अमरसिंह, मोहनलाल कौथल, प्रधान रत्तन, जिला पार्षद कुन्दन लाल, सुपरीन्टैन्डट राजेन्द्र, नीरज, प्रवीण, पवन, जगमोहन, घुग्गी, संदीप निनानियां, अमित किराड़, मनोज पीएनबी, इंस्पेक्टर अतरसिंह, नगर पार्षद देवेंद्र एवं बीएसएनएल के पूर्व डीजीएम महेन्द्र खन्ना आदि उपस्थित रहे। वहीं, खण्ड कनीना के गांव रामबास में डा. अंबेडकर जयंती मनाई गई। इस मौके पर इनेलो एससी सैल प्रदेश उपाध्यक्ष वेदप्रकाश नम्बरदार व प्रदेश जनरल कार्यकारणी सदस्य एवं जिलाध्यक्ष ज्ञानेशवर निम्भल, कपिल निम्भल, अजय निम्भल, जयप्रकाश व सूबेदार रमेश निम्भल आदि मौजूद रहे।

# राव जयराम स्कूल में भी डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

शहर के अटेली रोड पर स्थित राव जय राम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षकों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। राव जयराम शिक्षण संस्थान के निदेशक सुरेंद्र कुमार ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया और अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर भारतीय लोकतंत्र के स्तंभ हैं। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का प्रतीक है। हमें उनके विचारों से सीख लेकर न्यायपूर्ण समाज की दिशा में कार्य करना चाहिए।

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित करते कॉलेज के स्टॉफ सदस्य।

## न्यूज डायरी

### बाबा साहेब की जयंती पर भंडारा आयोजित

**महेंद्रगढ़।** शहर के मोहल्ला महायचान में सोमवार को बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस दौरान छोले चावल का भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। अशोक लोहमरोड ने बताया कि डॉ. अंबेडकर भारतीय लोकतंत्र के स्तंभ हैं। उनका जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का प्रतीक है। हमें उनके विचारों से सीख लेकर एक समान और न्यायपूर्ण समाज की दिशा में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का सपना एक ऐसे भारत का था, जहां हर व्यक्ति को समान अधिकार मिले, और यही सपना आज भी हमें प्रेरणा देता है। अशोक लोहमरोड ने बताया कि डॉ. अंबेडकर का जीवन सिर्फ शिक्षा या संविधान तक सीमित नहीं था, वह एक सामाजिक क्रांतिकारी थे। इस मौके पर अशोक लोहमरोड, विष्णु नगर पार्षद, जयकुमार, रिंकू, संजय अएसडीसी, अतुल, गुलबसिंह व ओमपाल शामिल रहे।

### डा. बीआर अंबेडकर जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन

**नारनौल।** प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से सोमवार को मोती नगर स्थित माय छोटा स्कूल में डा. भीमराव आंबेडकर जयंती पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का विषय डा. अम्बेडकर के विचारों में वर्तमान मूल्यों का समावेश था। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा व विद्यालय के चेयरमैन दीपक कुमार ने भारतरत्न डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें नमन किया। संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डा. जितेन्द्र भारद्वाज थे। सहवक्ता प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान भीमसेन शर्मा रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष डा. संजय शर्मा ने बाबा साहब के अमूल्य योगदान को याद करते हुए कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी डा. अम्बेडकर भारतीय संविधान के प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने विविधता से परिपूर्ण राष्ट्र को मजबूत किया तथा सभी महिलाओं व पुरुषों को अच्छी शिक्षा लेकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है।

# विश्व का श्रेष्ठ संविधान देने वाले अंबेडकर प्रेरणापुंज रहेंगेः कैलाश

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पित करते मुख्यातिथि एवं अन्य। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव अंबेडकर विपरीत परिस्थितियों में सफलता की अनूठी मिसाल हैं। आज भारत जातिवाद, सांप्रदायिकता, अलगाववाद, लैंगिक असमानता आदि जैसी कई सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। हमें अपने भीतर अंबेडकर की भावना को खोजने की जरूरत है, ताकि हम इन चुनौतियों से खुद को खींच सकें। उक्त विचार बीडीसी मेंबर कैलाश शास्त्री ने सतनाली मोड़ स्थित हार्टरोन स्किल सेंटर फॉर कंप्यूटर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग महेंद्रगढ़ में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर मुख्य वक्ता के तौर पर व्यक्त किए हैं। संस्थान की प्रवक्ता पूनम यादव ने कहा कि जीवन लंबा होने की बजाय महान होना चाहिए। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारतीय संविधान के निमार्ता थे। संस्थान के कंप्यूटर टीचर रवि दत्त ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर कहते थे कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है जिसको पीकर व्यक्ति में नई ऊर्जा और शक्ति का संचार होता है।

महेंद्रगढ़। बाबा साहेब को नमन करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

### आकाश एकेडमी में धूमधाम से मनाई जयंती

**महेंद्रगढ़।** स्थानीय आकाश एकेडमी में संविधान निमार्ता डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े हर्षोउल्लास से मनाई गई। डिप्टीराम शर्मा व छात्र छात्राओं ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके बताए गए विचारों को मानने का संकल्प लिया। शिक्षाविद देवेंद्र बैरावास ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के संविधान निमार्ता थे, जिनका जन्म 14 अप्रैल को हुआ था। उन्होंने विशेष परिस्थितियों में अपनी पढ़ाई को पूरा कर भारत के संविधान को बनाया और उस समय देश में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ एक आंदोलन के रूप में अभियान चलाया। मुख्यातिथि डिप्टी राम शर्मा ने कहा कि भीमराव अंबेडकर ने ऊंच-नीच के भेदभाव को मिटाया और सभी को समान अधिकार दिलाया। इस मौके पर विकास रामलवास, बबीता यादव, ज्योति सैनी, ज्योति तंवर, मनोज कुमार, शारदा, कंचन यादव, मंगल सिंह, पदम सिंह, मनीष राणा आदि मौजूद रहे।

### अंबेडकर जयंती पर विद्यार्थियों ने पक्षियों के लिए लगाए सकोरे

महेंद्रगढ़। डॉ. भीमराव अंबेडकर को नमन करते विद्यार्थी।

**महेंद्रगढ़।** गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से डॉ. भीमराव अंबेड़कर जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान विद्यार्थियों ने भीषण गर्मी के दृष्टिगत सकोरा अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न स्थानों पर मिट्टी के सकोरे रखे गए जिससे पक्षियों को पानी की कमी न हो। जिला संयोजक महेंद्रगढ़ कमल रोहिल्ला ने कहा कि हमें मनुष्यों की सेवा करने के साथ-साथ पर्यावरण में रहने वाले पशु-पक्षियों के प्रति भी दया भाव रखना चाहिए, क्योंकि ये पशु-पक्षी भी पर्यावरण का अभिन्न अंग है। केंद्रीय कार्य समिति सदस्य तृप्ति सैनी ने कहा कि विद्यार्थी परिषद हर वर्ष गर्मी के माह में यह अभियान चलाता है, ताकि हम पर्यावरण संरक्षण के साथ उसका संवर्धन कर सके।

### सिहमा में लाइब्रेरी में बाबा साहेब को याद किया

**मंडी अटेली।** देश के संविधान के निर्माण में अमूल्य योगदान देने वाले बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती सोमवार को सिहमा में एक निजी लाइब्रेरी में पढ़ने वाले बच्चों द्वारा उनके चित्र के सामने पुष्प अर्पित कर केक काटकर मनाई। इस मौके पर रिजर्व पंच कविता व रेणुका ने बताया किबाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके सपनों का भारत बनाने तथा देश की एकता अखंडता एवं संविधान की रक्षा करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सावित्री देवी, मनीषा, स्वीटी, अंजु, वंदना, यशस्वी, रवि, जोगिंद्र व वरुण इत्यादि उपस्थित रहे।

### खटीक सभा ने डा. अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए

नारनौल। शहर की मोहल्ला भटवाड़ा स्थित खटीक सभा डा. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धासुमन अर्पित कर जयंती मनाई। भाजपा कार्यकर्ता जितेंद्र खींची ने बताया कि उपस्थित लोगों ने डा. भीमराव अंबेडकर को नमन किया। मुख्य वक्ता भाजपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के पूर्व जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र जैन ने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर ने अपनी सौमयता, सहजता और सहृदय से करोड़ों भारतीयों के मन में जगह बनाई। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस मौके पर सतीश कुमार, तुषार, जितेन्द्र खिंची, सुरेन्द्र जैन आदि मौजूद थे।

**श्रद्धांजलि** आजादी के बाद अब तक नांगतिहाड़ी के सरपंच व नंबरदार, परिजन सम्मानित

# अम्बेडकर नवनिर्माण समिति ने नांगतिहाड़ी में मनाया भीमराव अम्बेडकर का जयंती समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

अम्बेडकर नवनिर्माण समिति की ओर से गांव नांगतिहाड़ी की अनुसूचित जाति चौपाल में सोमवार बोद्धिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 134वां जयंती समारोह मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत मुख्य प्रबंधक जय नारायण दुग्गल ने की। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर संवदेना हॉस्पिटल से डा. सुरेंद्र मित्तल, अग्रवाल नर्सिंग होम से डा. लावण्य शर्मा, अग्रवाल नर्सिंग होम से हितेंद्र मित्तल व युवा जिला अध्यक्ष पुनीत बुलान की उपस्थिति रही। मंच संचालन जयसिंह नारनौलिया ने किया। कार्यक्रम में सरपंच व नंबरदारों को भी सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सेवानिवृत मुख्य प्रबंधक जय नारायण दुग्गल ने कहा कि डा. भीमराव अम्बेडकर एक भारतीय समाज सुधारक, विधिवेत्ता,, अर्थशास्त्री व राजनीतिज्ञ थे। वे दलित समाज के अग्रणी थे। भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार होने से लेकर दलित वर्गों के लिए समानता व सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने तक, भारतीय समाज में उनके अपार योगदान को प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को भारत में भीमराव अम्बेडकर जयंती के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुधार के लिए कानूनी मार्गों के महत्व को पहचानते हुए अम्बेडकर ने भी ब्रिटिश अधिकारियों के सामने दलितों का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने लंदन में गोलमेज सम्मेलनों में दलितों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन क्षेत्रों की वकालत की।

नारनौल। माल्यार्पण कर भीमराव अम्बेडकर को याद करते अतिथि व ग्रामीण।

### कबड्डी खिलाड़ी शशिकांत भी सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान अम्बेडकर नवनिर्माण समिति ने आजादी के बाद नांगतिहाड़ी में जितने भी सरपंच व नम्बरदार रहे, उन सभी को सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रदेश स्तर पर कबड्डी खेल में गांव का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ी शशिकांत पुत्र श्रीराम सिंह को भी सम्मानित किया गया। वहीं बच्चों को किताब, पेन व चॉकलेट बांटी गई। इस मौके पर रोशनी देवी, पूनिया, शिवताज, बिरदी चंद गोठवाल, सुरेंद्र अंबेडकर, सुशील सिल्लू, सरताज, जोगेंद्र, रविन्द्र, नरेश, लाला राम, तेजराम, रत्न लाल, केदारनाथ, निहाल चंद, विजय पाल, सत्यनारायण सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे।

### राव जयराम डिग्री कॉलेज में भी मनाई डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

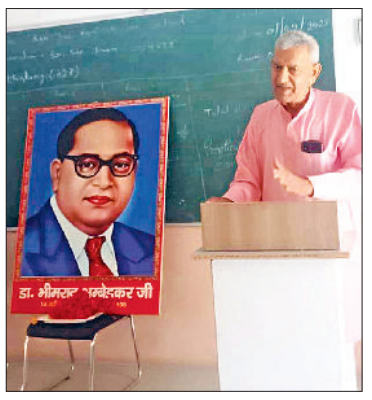

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम को संबोधित करते वक्ता।

**महेंद्रगढ़।** शहर के अटेली रोड स्थित राव जयराम डिग्री कॉलेज में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के चेयरमैन डॉ. हरिसिंह ने की। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर न केवल संविधान निमार्ता थे, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के पुरोधा भी थे। उन्होंने अपने जीवन को समाज के वंचित वर्गों को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए समर्पित किया। आज की युवा पीढ़ी को बाबा साहेब के विचारों को अपनाकर शिक्षा, समता और बंधुत्व की भावना को आगे बढ़ाना चाहिए। उनके दिखाए मार्ग पर चलकर ही हम एक समतामूलक और उन्नत भारत का निर्माण कर सकते हैं। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद कॉलेज के प्राध्यापकों और छात्रों ने उनके जीवन, संघर्ष और योगदान पर विचार प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में देशभक्ति गीत, कविता पाठ और सामाजिक समरसता पर आधारित नाटक प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संविधान की शपथ लेकर यह संकल्प लिया कि वे सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के सिद्धांतों का पालन करेंगे और देश की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

- डॉ. अंबेडकर न केवल संविधान निर्माता थे, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के पुरोधा भी थे

**ग्राम पंचायत कालबा खण्ड नांगल चौधरी जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा)**

**सार्वजनिक सूचना**

खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी नांगल चौधरी के पत्रांक 871 दिनांक 08.04.25 के अनुसार ग्राम कालबा में एक रिक्त पद/ सफाई कर्मचारी की भर्ती की जानी है। आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि 15.04.2025 से 22.04.2025 (स्थान-खण्ड कार्यालय नांगल चौधरी समय 9:00 से 5:00 बजे) साक्षात्कार की तिथि 24.04.2025 (स्थान-खण्ड कार्यालय नांगल चौधरी समय 2:00 बजे) इसके साथ ही अनुसूचित जाति के पंच की भी नियुक्ति करें और उन्हें 24.04.2025 को दोपहर 2:00 बजे खण्ड कार्यालय नांगल चौधरी में साक्षात्कार कमेटी के सदस्य के रूप में उपस्थित होने के लिए निर्देशित करें। समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी नांगल चौधरी को भी 24.04.2025 को भी साक्षात्कार कमेटी के सदस्य के रूप में खण्ड कार्यालय में उपस्थित रहने के लिए निर्देशित किया जाता है।

हस्ता/-खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी
नांगल चौधरी

### वर्ष 2021 में कंपनी को टेंडर, पानी की व्यवस्था आज तक नहीं

# करोड़ों खर्च होने के बाद भी पानी के लिए तरस रहा है शहर का स्विमिंग पूल

क्षेत्र के तैराकी में भविष्य संवारने वाले युवा व खिलाड़ी स्वीमिंग पूल के काट रहे हैं चक्कर।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। स्वीमिंग पूल की बंद पड़ी लाईटें तथा सूखा पड़ा शहर का स्विमिंग पूल।

शहर का एकमात्र स्विमिंग पूल पर करोड़ों की राशि खर्च होने के बाद भी चार साल से पानी के लिए तरस रहा है। ऐसे में तैराकी में भविष्य संवारने वाले युवा व खिलाड़ी स्वीमिंग के लिए अन्य शहरों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। बता दें कि शहर के खेल स्टेडियम के पास स्वीमिंग पूल का वर्ष 2013 में शिलान्यास हुआ और 2017 में सीएम द्वारा उद्घाटन किया गया। वर्ष 2021 में इसे चलाने के लिए कंपनी को टेंडर किया, परंतु पानी की व्यवस्था आज तक नहीं होने से स्वीमिंग में भविष्य संवारने वाले क्षेत्र के युवाओं को निराशा ही हाथ लगी है। लगभग चार करोड़ खर्च करने के बाद भी शहर का स्वीमिंग पूल पानी के लिए तरस रहा है। टेंडर लेने वाली कंपनी खेल विभाग पर पानी उपलब्ध नहीं कराने के आरोप लगाते हुए इसे चलाने में असमर्थता जता चुकी है। बावजूद इसके खेल विभाग की उदासीनता के चलते करोड़ों की योजना के लाभ से वंचित है।

## उद्घाटन के बाद 4 वर्ष सुविधाएं जुटाने में निकले

स्वीमिंग पूल के उद्घाटन के बाद वर्ष 2021 तक लगभग 4 करोड़ रुपए की लागत से बने स्वीमिंग पूल में विभाग व सरकार सुविधाएं उपलब्ध करवाने में लगा दिए। इस दौरान स्वीमिंग पूल में भव्य सुन्दर लाइटें व अन्य सुविधाएं जुटाई गई, लेकिन बहुत ही आवश्यक पानी की सुविधा पर कोई विशेष ध्यान नहीं दिया गया। जब तक यह स्वीमिंग पूल शुरू तो उससे पहले ही इसकी सभी भव्य लाइटें मानो स्वर्गवासी हो चुकी थी। कुछ अन्य उपलब्ध सुविधाओं पर भी पानी फिर चुका था तो कुछ का अभाव बना रहा। विभाग के पास कई वर्षों से रटा-रटाया जवाब आ रहा है कि वे इसमें पानी की व्यवस्था करवाने को लेकर प्रयासरत है। जागरूक युवाओं का कहना है कि जब तक पानी की व्यवस्था होगी तब तक यह स्वीमिंग पूल पानी को जमा रखने के लिए शायद जवाब दे जाए। आमजन की कड़ी मेहनत की कमाई के चार करोड़ रुपए सरकार लगाकर अधिकारियों के भरोसे इसे चालू करवाने का इंतजार कर रही है तो भविष्य में इसका परिणाम शून्य ही मिलेगा। सरकार को चाहिए की करोड़ों रुपए खर्च कर दिए है तो इसे किसी भी तरह से पानी की व्यवस्था करके चालू किया जाए।

## बंद पड़ा स्विमिंग पूल

आने वाले कुछ वर्षों में पूरी तरह से खंडित होने का अंदेशा है, क्योंकि इस पूल में लाइटों को शरारती तत्व शुरू होने से पहले ही क्षतिग्रस्त कर चुके हैं और अब सूखे पड़े पूल के अंदर भी टाइलें फूलने से नुकसान की संभावना बढ़ गई है।

क्षेत्र के युवाओं को तैराकी में आगे लाने के उद्देश्य से वर्ष 2013 में तत्कालीन सरकार ने शहर के खेल स्टेडियम के पास स्वीमिंग पूल बनाने को लेकर शिलान्यास किया था। पहले तो कछुवा गति से चले इसके निर्माण कार्य में बजट करीब दो-ढाई करोड़ से बढ़कर 3 करोड़ 66 लाख रुपए पहुंच गया।

आधी-अधूरी सुविधाओं के साथ ही चुनावों में इसका योजना का लाभ लेने के लिए 31 जनवरी वर्ष 2017 में अधिकारियों ने नारनौल से ही पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर से रिमोट से इसका उद्घाटन करवा दिया था। यह स्विमिंग पूल कब शुरू होगा इसके बारे में शायद विभाग के अधिकारी भी बताने में असफल नजर आ रहे हैं।

## उच्च विभाग को भेजी है बजट की डिमांड

जिला खेल अधिकारी नरेंद्र कुंडू ने बताया कि स्वीमिंग में पानी की स्थाई सुविधा के लिए विभाग की ओर से बजट की डिमांड की हुई है। सरकार से स्वीकृति मिलने की संभावना है। स्वीकृति मिलते ही यहां पानी की सुविधा को लेकर काम शुरू करवा दिया जाएगा। उनका भी प्रयास है कि जिले के युवाओं को स्वीमिंग पूल का लाभ मिले।

## रोहतक की कंपनी को मिला था टेंडर

वर्ष 2021 में महेंद्रगढ़ के स्वीमिंग पूल को चलाने के लिए रोहतक की बुलमार्क स्कूटीना फर्म को तीन वर्ष का ठेका मिला था तथा कार्य संतोषजनक मिलने पर ठेका चार वर्ष ओर आगे बढ़ाने का प्रावधान भी था। महिलाओं-पुरुषों को स्वीमिंग सीखाने के लिए बंगाल से कोच भी बुलाए गए थे। स्वीमिंग के लिए अलग-अलग शेड्यूल बनाए गए तथा खिलाड़ियों को स्वीमिंग की निःशुल्क व्यवस्था की गई थी। 21 अप्रैल 2021 को बाहर से पानी मंगवाकर इसे भरा गया और फिर हवन यज्ञ के साथ इसका शुभारंभ हुआ तो जिले भर के स्वीमिंग में भविष्य संवारने वाले युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गई थी परंतु यह खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं रही। कोविड आने के कारण मई 2021 माह में ही इसे बंद करना पड़ा, इस दौरान पूरा सीजन निकल गया। इसके बाद वर्ष 2022 में इधर-उधर से पानी की व्यवस्था कर अप्रैल में फिर से शुरू हुआ परंतु एक-दो माह चलने के बाद ही इसकी पाइप फट गई।

## भविष्य संवारने वालों को निराशा

स्वीमिंग का सीजन हर वर्ष अप्रैल से सितंबर-अक्तूबर माह तक रहता है। अभी सीजन शुरू हो गया है। क्षेत्र के तैराकी में भविष्य संवारने वाले बच्चे, युवा व खिलाड़ी स्वीमिंग पूल के शुरू होने का इंतजार कर रहे हैं परंतु अभी तक खेल विभाग व प्रशासन की ओर से इसे शुरू करने को लेकर कोई कदम उठाए नजर नहीं आ रहे हैं। आए दिन लोग स्वीमिंग पूल के पास आते हैं और बंद मिलने पर निराश ही घर लौटने को मजबूर हैं। जागरूक युवाओं ने कहा कि यदि कुछ समय ओर ऐसा ही रहा तो सरकार द्वारा क्षेत्र के युवाओं को उपलब्ध करवाई गई करोड़ों की यह योजना लाभांवित करने से पहले ही दम तोड़ जाएगी। सरकार की इस योजना के शुरू नहीं होने से इस बार भी क्षेत्र के खिलाड़ियों व युवाओं को आर्थिक हानि उठाकर निजी स्वीमिंग पूलों का ही सहारा लेना पड़ेगा, परंतु गरीब खिलाड़ियों के लिए यह संभव नहीं है।

# प्रतिभागियों ने फील्ड-आधारित शिक्षण के माध्यम से समृद्ध किया शैक्षणिक अनुभव

महेंद्रगढ़। पिलानी क्षेत्र का दौरा करते प्रतिभागी एवं आयोजक। फोटो: हरिभूमि

- 17 अप्रैल तक चलने वाली कार्यशाला भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित हो रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव जाट पाली स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान अनुसंधान के लिए दस दिवसीय अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम के छठे दिन प्रतिभागियों ने फील्ड-आधारित शिक्षण के माध्यम से अपने शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध किया। आगामी 17 अप्रैल तक चलने वाली यह कार्यशाला भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक अनुभवों के साथ जोड़ने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों से क्षेत्र से सीखने, लोगों की जीवन वास्तविकताओं को सुनने और शोध के माध्यम से समाज की चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यशाला के कोर्स निदेशक डॉ. विष्णु नारायण कुचेरिया और सह-निदेशक प्रो. पायल कंवर चंदेल के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने राजस्थान के पिलानी क्षेत्र का फील्ड दौरा किया। इस यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों, सामुदायिक कार्यकर्ताओं, और बीआईटीएस पिलानी तथा बिरला रूरल टेक्नोलॉजी सेंटर जैसे संस्थानों के संकाय सदस्यों से संवाद किया। प्रतिभागियों ने राजस्थान की पारंपरिक सामाजिक-सांस्कृतिक संरचनाओं और स्थानीय विकास पर शैक्षिक पहलों के प्रभाव का भी अध्ययन किया। इस फील्ड अनुभव ने उन्हें ग्रामीण मनोविज्ञान व लैंगिक शिक्षा के साथ जमीनी स्तर पर नीति क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण शोध विषयों की गहरी समझ प्रदान की। प्रतिभागियों ने पूर्ववर्ती सत्रों में सीखें गए प्रेक्षण अध्ययन, अनौपचारिक साक्षात्कार और सामुदायिक मानचित्रण जैसी शोध तकनीकों का उपयोग करते हुए फील्ड कार्य किया। प्रतिभागियों ने कहा कि इस दौरे ने उन्हें व्यावहारिक पक्षों से अवगत कराया। यह जानने-समझने का अवसर मिला कि सिद्धांत वास्तविक व्यवहार में कैसे बदलते हैं या नहीं बदल पाते।

# जिला कांग्रेस ने डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

पूर्व जिला प्रमुख भाई रामसिंह एवं महिला जिला अध्यक्ष डा. राजवती यादव के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डा. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर डा. अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित कर उनके अमर विचारों और संविधान निर्माण में उनके योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर के विचारों को आज के दौर में प्रासंगिक बताते हुए पूर्व जिला प्रमुख ने कहा कि डा. अंबेडकर ने जो मूल अधिकार और समानता की भावना संविधान में दी। वहीं आज हमारे लोकतंत्र की रीढ़ है। भीमराव अम्बेडकर ने समाज में समानता, न्याय और स्वतंत्रता के लिए अथक संघर्ष किया। उनके सिद्धांतों को अपनाकर हम एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकते हैं। सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक हालत से जूझ रहे दलित के वर्ग के लोगों को उठाने की जरूरत है। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष डा. राजवती यादव ने कहा कि बाबासाहेब ने हमें ज्ञान, संघर्ष और एकता का मंत्र दिया। इस मौके पर संदीप राव, सुरेश फौजी, सतीश, सरजीत नंबरदार, माया, पूर्व सरपंच महावीर, शशिबाला, रजनी आदि उपस्थित रहे।

# गुरु द्रोणाचार्य वमा विद्यालय में डॉ. भीमराव अंबेडकर को याद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। डा. भीमराव अंबेडकर को नमन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

गुरु द्रोणाचार्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी किरारोद में संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उन्हें याद किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार, प्राचार्य नेतराम सैनी व स्टाफ सदस्यों ने बाबा साहेब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अजय कुमार ने अपने संबोधन में अंबेडकर के जीवन पर संक्षिप्त परिचय डालते हुए बताया कि बाबा साहब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू शहर में हुआ था। अंबेडकर बचपन से ही सामाजिक भेदभाव व छुआछूत जैसी अमानवीय चीजों को झेलते आए थे, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। इतनी विपत्तियों के बावजूद भी उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय व लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे बड़े संस्थानों से डॉक्टरेट की उपाधियां प्राप्त की। विद्यालय के प्राचार्य नेतराम सैनी कहा कि डा. अंबेडकर को संविधान का शिल्पकार कहा जाता है। इस मौके पर विद्यालय की एमडी पूजन सैनी, वाइस चेयरमैन कुलदीप सैनी, श्रीचंद ठेकेदार, धर्मपाल, कृष्ण कुमार, कमल सिंह, प्रवीण सैनी, अंकित सैनी, हेमंत सैनी, मनोज कुमार, सुनीता यादव, ममता यादव, मधु, मोना, कविता, कोमल, लक्ष्मी शर्मा, मंजू, पूजा, नीलम, प्रीतम सैनी आदि उपस्थित थे।

# डॉ. अंबेडकर ने समानता का अधिकार देने का कार्य किया

- विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। डा. भीमराव अंबेडकर की मूर्ति पर पुष्प अर्पित करते विधायक ओमप्रकाश यादव व अन्य।

विधायक एवं पूर्व मंत्री ओमप्रकाश यादव ने सोमवार को बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर ओमप्रकाश यादव ने कहा कि बाबा भीमराव अंबेडकर ऐसी महान शख्सियत थी, जिन्होंने भारत को एक ऐसा संविधान दिया। उन्होंने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान में सभी को सामाजिक राजनीतिक व आर्थिक समानता का अधिकार देने का कार्य किया था। मौजूदा केंद्र व राज्य सरकार उनके सपने को पूरा कर रही है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि बाबा साहेब के शिक्षित बनो संगठित रहो व संघर्ष करो के सिद्धांत में विकास की पहली सीढ़ी शिक्षा है। शिक्षा के माध्यम से ही समाज में बदलाव आता है। उन्होंने कहा कि भीमराव अंबेडकर ने संसाधनों के अभाव के बावजूद वह मुकाम हासिल किया, जिसकी बदौलत आज दुनिया में उनको याद किया जाता है।

# बीआर स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला

- एक शिक्षक को कक्षा में प्रवेश करने से पूर्व यह समझना चाहिए कि प्रत्येक छात्र की क्षमता होती है अलग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यशाला में भाग लेते शिक्षक। फोटो: हरिभूमि

गांव सेहलंग स्थित बीआर स्कूल में शिक्षकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में साहिल तनेजा उपस्थित रहे। साहिल तनेजा का एक दशक से भी अधिक का अनुभव कॉर्पोरेट जगत और शैक्षणिक संस्थानों को प्रशिक्षण देने का रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। दीप प्रज्वलन का कार्य बीआर ग्रुप के चेयरमैन हरीश भारद्वाज, डिप्टी चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज तथा विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने संयुक्त रूप से किया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई, जिसमें समय प्रबंधन, छात्रों से भावनात्मक जुड़ाव, कला समावेशन और समावेशी शिक्षा प्रमुख रहे। साहिल तनेजा ने बताया कि जब तक शिक्षक किसी छात्र से भावनात्मक रूप से नहीं जुड़ते, तब तक वांछित शैक्षणिक लक्ष्य प्राप्त नहीं किए जा सकते। एक शिक्षक को कक्षा में प्रवेश करने से पूर्व यह समझना चाहिए कि प्रत्येक छात्र की क्षमता अलग होती है। प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने कहा कि जैसे कार्य को कुशलतापूर्वक संपन्न करने के लिए औजारों को तेज करना जरूरी होता है, वैसे ही शिक्षकों को भी समय-समय पर प्रशिक्षण देकर उन्हें अधिक सुचारु करना आवश्यक है।

# डा. अंबेडकर की नीतियों से राष्ट्र की एकता हुई मजबूत

- समाज के प्रत्येक वर्ग की पीड़ा को समझते थे डा. भीमराव अंबेडकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। डा. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माला अर्पण करती विधायक मंजू चौधरी।

पंचायत समिति प्रांगण में डा. भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में विधायक मंजू चौधरी, राजकुमार नैनकवाल, पीएम श्री गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य डा. दिनेश कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में युवाओं को डा. भीमराव अंबेडकर की जीवनी से अवगत कराया तथा उनके सिद्धांतों का अनुसरण करने का संदेश दिया। इस दौरान अंबेडकर सेवा समिति ने मेधावी प्रतिभाओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि डा. भीमराव अंबेडकर विस्तृत सोच के धनी रहे हैं। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग की पीड़ा को समझा। इसके बाद सविंधान में समाधान के विकल्प निर्धारित किए।

सविंधान में प्रत्येक नागरिकों को समानता और धर्मनिरपेक्षता का अधिकार मिला हुआ है, क्योंकि जातिवाद, क्षेत्रवाद तथा धार्मिक विवाद बढ़ने से समाज या राष्ट्र का विकास नहीं हो सकता।

## डा. अम्बेडकर ने दिया सर्वश्रेष्ठ संविधान

नारनौल। बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते राव सुखबिंद्र सिंह।

नारनौल। बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व अधीक्षण अभियंता राव सुखबिंद्र सिंह ने महेंद्रगढ़ रोड स्थिति बाबा साहेब की प्रतिमा पर फूल माला अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। राव सुखबिंद्र ने कहा कि डा. अम्बेडकर ने भारत को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ संविधान दिया और हर वर्ग के अधिकारों की रक्षा की। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब चाहते थे कि हम सब आगे बढ़ें और दूसरों को भी आगे बढ़ने में मदद करें, इसीलिए उन्होंने पे बेक टू सोसाइटी का नारा दिया था। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के संविधान की बदौलत ही आज पिछड़े, अल्पसंख्यक व महिलाएं सर्वोच्च पदों पर पहुंच रहे हैं। इस मौके पर युवा नेता सज्जन सिंह, अखिलेश सैनी, हवासिंह गोदारा, असीम नम्बरदार, रामकिशन आदि मौजूद थे।

# डॉ. भीमराव अंबेडकर की नीतियों का रहा बड़ा योगदानः यादव

- सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बाबा साहब को याद किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। डा. भीमराव अंबेडकर को नमन करता सरस्वती स्कूल स्टॉफ।

सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में डा. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर ज्ञान महोत्सव प्राचार्या वंदना यादव की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। जिसमें अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के बाद शिक्षा और समानता में उनके प्रयासों का उल्लेख किया गया। उन्होंने कहा कि सामाजिक विकास, एकजुटता और राष्ट्र की संपन्नता शिक्षा पर निर्भर होती है। शिक्षा से वंचित समाज मानवता के नैतिक दायित्वों से भटकर अपराधिक गतिविधियों में समावेशित होने लगेगा। जिसके प्रभाव से राष्ट्र विकसित नहीं हो पाएगा, सामाजिक संगठनों में तनाव बढ़ जाएगा और अशांति का माहौल बन जाएगा। डा. भीमराव अंबेडकर ने संविधान में शिक्षा और समानता का अधिकार प्रत्येक नागरिक को दिया है। उनकी जीवनी से समाज को राष्ट्रहित में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की प्रेरणा मिलती रहेगी। इस मौके पर उप प्राचार्या रेखा यादव, कोर्डिनेटर संदीप कुमार, डीपीई बिक्रम सिंह आदि मौजूद रहे।

### संतों ने प्रवचन दिए और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया

# शिव मंदिर के नवनिर्माण के लिए भूमि पूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते शहर के लोग। फोटो: हरिभूमि

शहर के मोदाश्रम परिसर में भगवान शंकर के मंदिर के नवनिर्माण की प्रक्रिया का शुभारंभ सोमवार को संतों के सानिध्य में विधिवत भूमि पूजन के साथ किया गया। मंत्रोच्चारण और धार्मिक विधियों के साथ हुए इस भूमि पूजन कार्यक्रम में क्षेत्र के प्रसिद्ध संत विट्ठल गिरी महाराज, ज्ञानेश्वर गिरी, भवानी शंकर गिरी, शंकर गिरी, योगी वचनाईं नाथ, इतवार गिरी, संतू नाथ, श्याम प्रिय फतेहचंद वशिष्ठ सहित कई संतों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में क्षेत्र के सामाजिक और धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ बड़ी संख्या में स्थानीय श्रद्धालु भी मौजूद रहे। इस अवसर पर संतों ने प्रवचन दिए और भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो गया। हर-हर महादेव के जयघोष के साथ मंदिर की नींव रखी गई। भूमि पूजन के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर कमेटी प्रधान सुधीर दिवान ने सभी संतों व भक्तों को कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आभार जताया गया।

उन्होंने कहा कि समिति का पूरा प्रयास रहेगा कि मंदिर के प्रथम लेटर तक का कार्य आने वाली शिवरात्रि तक पूरा हो जाए। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने भरपूर सहयोग करते हुए सभी तरह के सहयोग का आश्वासन समिति को दिया गया।

मोदाश्रम समिति की ओर से मंदिर परिसर को विकसित करने का कार्य गतिशील है। मोदाश्रम मंदिर शहर की आस्था का केंद्र है। लगभग 6 एकड़ भूमि पर फैले इस मंदिर मे सुबह शाम हजारों श्रद्धालु भगवान चंद्रमौली पर जल चढ़ाने के लिए आते हैं। यहां आने वाले लोगों को एक आत्मिक शांति की अनुभूति होती है। सच्चे मन से यहां आने वाले हर भक्त की मनोकामना पूर्ण होती है। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर यहां हर वर्ष दो बार मेले का आयोजन होता है। श्रावण माह में आने वाली शिवरात्रि पर क्षेत्र के लोग गोमुख और हरिद्वार से गंगाजल लाकर भगवान चंद्रमोली पर चढ़ाते हैं। अब तक 227 मेले लगाए जा चुके हैं। समिति द्वारा दो एकड़ भूमि पर शिव पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसमें लगभग 51 फुट ऊंची भगवान शंकर की विशाल प्रतिमा स्थापित की गई है।